

संपादकिय...

अरावली में खनन रोकेें

पर्वतमालाएं किसी भी देश की प्रहरी और सुरक्षा-कवच होती हैं। उन्हें क्यों खोदा और छीला जाए? खनिज माफिया कहीं और खुदाई करके मुनाफा कमा सकता है। कमोबेश उसे तो छोड़ दिया जाए, जो इनसानी अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च अदालत ने अरावली पर्वतमाला पर समिति की अनुशंसाएं मानते हुए जो फैसला सुनाया था, उसे ब्रह्म-वाक्य नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च अदालत अपने फैसलों पर पुनर्विचार करती आई है, लिहाजा अरावली पहाडियों की 100 मीटर ऊंचाई के मानदंड पर भी पुनर्विचार किया जा सकता है। जिस पहाड़ी की ऊंचाई 100 या अधिक मीटर है, वह अरावली है, शेष पहाड़ियां लावारिस हैं। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को सुरक्षित और संरक्षित किया जाना चाहिए। आज अरावली का नंबर है, कल हिमालय को भी खंडित किया जा सकता है! अरावली पर्वतमाला राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात में 692 किमी लंबी है। इसमें से अधिकांश हिस्सा राजस्थान के तहत आता है। यह देश की सबसे प्राचीन और अरबों साल पुरानी धरोहर है, लिहाजा आदरणीय भी है। जन-आंदोलन राजस्थान में ही नहीं, शेष राज्यों में भी उग्र करना चाहिए, क्योंकि यह पर्वतमाला हमारे अस्तित्व से जुड़ी है। जब ये पहाड़ियां नहीं रहेंगी, तो देश की राजधानी दिल्ली समेत मैदानी इलाकों की कितनी भयावह, गरम और मरुस्थलीय स्थितियां होंगी, यह सोच कर भी दहशत होने लगती है। यदि लगातार खनन के बाद अरावली पर्वतमाला शेष नहीं रही, तो राजधानी दिल्ली समेत उत्तरी भारत गरम और रेतीली हवाओं में फिर जाएंगे। धीरे-धीरे रेत के पहाड़ आकार लेगे और रेगिस्तान दिल्ली, हरियाणा, गुजरात तक भी फैल जाएगा। राजस्थान का काफी हिस्सा आज ही मरुस्थल है। खनन और वनों की कटाई बढ़ी, तो दिल्ली-एनसीआर में पीएम 10 और पीएम 2.5 सरीखे प्रदूषण के कण बहुत तेजी से बढ़ेंगे। नतीजतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्वआई) शाश्वत रूप से ‘गंभीर’ या ‘अत्यंत खतरनाक’ श्रेणी में ही रहेंगे। आज राजधानी क्षेत्र के निवासी गर्मियों में 48-50 डिग्री सेल्सियस तापमान झेल कर ही बिलबिलाने लगते हैं। मरुस्थलीय स्थितियों में तापमान बढ़ेगा और प्राकृतिक ढंडक खत्म हो जाएगी, तो क्या होगा? राजधानी क्षेत्र हमेशा धुंध-कोहरे में घिरा रहेगा, तो कैसा महसूस करेंगे? अरावली पर्वतमाला अपनी ऊंचाई के कारण प्राकृतिक रूप से धूल-अवरोधक है, जो थार मरुस्थल और उत्तरी भारत के उपजाऊ मैदानों के बीच एक प्राकृतिक दीवार का काम करती है। मानसून की हवाओं को रोक कर बारिश कराती है, लिहाजा पर्वतमाला को छिन्न-भिन्न करने से हरियाणा और राजस्थान में अकाल की नौबत भी आ सकती है। वह दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में भी खाद्य-संकट पैदा कर सकती है। तो अरावली में खनन, खुदाई क्यों की जाए? हालांकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का बयान है कि खनन अरावली पर्वतमाला के पूरे क्षेत्र के मात्र 0.19 फीसदी भाग में ही होता है। राजधानी दिल्ली में खनन की कोई भी अनुमति नहीं है, लेकिन फरीदाबाद और गुरुग्राम के जंगलात में जाकर मंत्री जी ने कभी जायजा लिया है।

गर्भवतीने HPLC जांच कराना आवश्यक-डॉ. पुरुषोत्तम पटले

गोंदिया –सिकल सेल एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जिसका गर्भवती महिला एवं नवजात शिशु के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए सिकल सेल से पीड़ित गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, उचित आहार एवं विशेष देखभाल अत्यंत आवश्यक है, ऐसा प्रतिपादन जिला शल्य चिकित्सक डॉ. पुरुषोत्तम पाटले ने किया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. तुषी कटरे, आरएमओ डॉ. बी. डी. जैस्वाल, डीपीएम डॉ. अर्चना वानखेडे, मार्गदर्शक डॉ. सुवर्णा हुबेकर, डॉ. सोनाली मेश्राम तथा जिला दृष्टष्ट ब्यूरो प्रमुख श्री विजय आखाडे प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रास्ताविक सिकल काउंसलर श्रीमती नीतू फुले ने किया। सिकल सेल जनजागृति सप्ताह के अवसर पर

भैंस भरकर ले जा रहे ट्रक को पकड़ा

20.80 लाख का माल जब्त, डुग्गीपार पुलिस की कार्रवाई

सड़क अर्जुनी-डुग्गीपार पुलिस ने 24 दिसंबर को सुबह करीब 6 बजे एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 20.80 लाख का माल जब्त किया. पुलिस ने आमगांव से नागपुर की ओर गैर-कानूनी तरीके से भैंसों को ले जा रहे एक ट्रक का पीछा किया और उसे ब्राह्मणी-खड़की गांव के पास राजेंद्र शिवनगर के खेत किनारे पर रोक लिया. डुग्गीपार पुलिस को गुप्त जानकारी मिली थी कि जानवरों की गैर-कानूनी तस्करी करने वाला एक ट्रक आमगांव से नागपुर जा रहा है. इसके अनुसार पुलिस ने तुरंत जाल बिछाया और ट्रक क्र. सीजी 08 एयु 3035 का पीछा किया. ट्रक को तेज गति से भगाने की कोशिश की गई. हालांकि, स्थानीय लोगों की सतर्कता की वजह से पुलिस समय पर जानकारी मिलने पर ट्रक को खेत परिसर में रोकने में कामयाब रही. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस



अधीक्षक विवेक पाटिल के मार्गदर्शन, थानेदार गणेश वनारे और एपीआई शेख के नेतृत्व में दीपक खोटेले, विजय कोटांगले, जागेश्वर उके, महेंद्र चौधरी, मलगामे, मुले और अन्य पुलिस कर्मियों ने की. आरोपी मनोज कुमार सोनवानी, निवासी भिलाई, दुर्ग (झाड़वर), लवली उर्फ जसपाल गुरुदेव सिंह बल, निवासी सड़क अर्जुनी और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ डुग्गीपार थाने में मामला दर्ज किया गया.

मिर्जा गालिब -महान रचनाकार-मिर्जा असदुल्लाह बेग खान गालिब जन्मदिन विशेष- 27 दिसंबर 2025

हाथों की लकीरों पर मत जा ऐ ग़ालिब, नसीब उनके भी होते हैं, जिनके हाथ नहीं होते।

उर्दू-फारसी के सर्वकालिक महान शायर मिर्जा असदुल्लाह बेग खान उर्फ गालिब अपने मन व देश की मनोदशा को स्वयंम की गजलो व शायरी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाते थे। उनके द्वारा रचित शैरो-शायरी आज भी लोगों के जेहन और जुबान पर बनी हुई हैं। कितने ही दौर आये और गए लेकिन ग़ालिब का जादू जो का ल्यों है, ग़ालिब को शायरी का पर्यायवाची भी कहा जाता है उनके द्वारा लिखी गई शायरी हर वर्ग के व्यक्ति को पसंद हैं। ग़ालिब की रचनाएँ न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में पसंद की जाती हैं। फारसी कविता के प्रवाह को हिंदुस्तानी जुबान में लोकप्रिय कराने का श्रेय भी इनको दिया जाता हैं। ग़ालिब के लिखे पत्र, जो उस समय प्रकाशित नहीं हुए थे, इन पत्रों को भी उर्दू लेखन का महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता हैं।

मिर्जा ग़ालिब का जन्म 27 दिसंबर 1797 को उत्तर प्रदेश के आगरा में हुआ। इनके पूर्वज तुर्कों में रहा करते थे, उनके पिता का नाम मिर्जा अब्दुल्लाह बेग खान और माता का नाम इज्जत-उत-निसा बेगम था। 1803 में अलवर में एक युद्ध के दौरान मिर्जा ग़ालिब के पिता की मृत्यु हुई। 11 वर्ष की उम्र से ही मिर्जा ग़ालिब ने कविता लिखना शुरू कर दिया था एवं 13 वे साल में उनकी शादी उमराव बेगम से हुई। उनके सात बच्चे हुए लेकिन एक भी जीवित नहीं रह पाया। आरिफ अर्थात गोद लिया हुआ बेटे को भी अपने बच्चे की तरह पाला पर फिर भी अन्य बच्चो की तरह यह बच्चा भी ज्यादा समय नही जी पाया। ताउम्र उन्हें इस बात का दुख था, इस बात का जिक्र उन्होने अपनी कविता कैद-ए-हयात-ओ-बंद-ए-गम मे दर्शाया था। मिर्जा ग़ालिब मुगल काल के आखरी शासक बहादुर शाह जफर के दरबारी कवि थे। 1850 में बहादुर शाह जफर द्वितीय के दरबार में गालिब को दबीर-उल-मुल्क की उपाधि से नवाजा गया और इसके अलावा उनको नज़्म-उद-दौला के खिताब से नवाजा गया। मिर्जा ग़ालिब का मुगल दरबार में बहुत मान-सम्मान था। 1854 में खुद बहादुर शाह जफर ने उनको कविताओं के लिए शिक्षक के

रूप में नियुक्त किया, व्यंग्य करने वालों पर ग़ालिब शायरी लिख दिया करते थे।

मुगलों के पतन के दौरान उन्होंने मुगलों के साथ बहुत वक्त बिताया। मुगल साम्राज्य के पतन के बाद ब्रिटिश सरकार ने ग़ालिब पर ध्यान नहीं दिया और उन्हें दी जाने वाली पेंशन भी बंद करवा दी। वह अपनी हर रचना मिर्जा, असद या ग़ालिब के नाम से लिखते थे, इसलिए वह इस नाम से प्रसिद्ध हो गये।

मिर्जा ग़ालिब का व्यक्तित्व बड़ा ही आकर्षक था। वस्त्र विन्यास पर विशेष ध्यान रखते थे। खाने-खिलाने के शौकीन, स्वादिष्ट व्यंजनों के प्रेमी थे। मिर्जा ग़ालिब जीवन के संघर्ष से भागते नहीं थे, वह इस संघर्ष को जीवन का एक अंश तथा आवश्यक भाग समझते थे। मानव की उच्चता तथा मनुष्यत्व को सब कुछ मानकर उसके भावों तथा विचारों का वर्णन करने में वह अत्यंत निपुण थे और यह वर्णनशैली ऐसे नए ढंग की है कि, इसे पढकर पाठक मुग्ध हो जाता हैं। उनके स्वभाव में विनोदप्रियता तथा वक्रता भी थी, ये सब विशेषता उनकी शैरोशायरी में भी झलकती हैं। वे मदिरा प्रेमी भी थे, इसलिए मदिरा के संबंध में उन्होंने भाव प्रकट किये है, उनके शेर ऐसे चुटोले तथा विनोदपूर्ण है कि, उनका जोड़ उर्दू कविता में अन्यत्र नहीं मिलता। वह अत्यंत शिष्ट एवं मित्रपरायण थे। उनके मित्रों का दायरा बहुत बड़ा था, जिसमे सभी धर्म व प्रांत के लोग थे और वे सर्व धर्म प्रिय व्यक्ति थे। उदार व्यक्तित्व के धनी व उसी उदार दृष्टि के बावजूद आत्माभिमानी थे।

मिर्जा ग़ालिब ने कविता अर्थात गजल, शैरो शायरी में ही नहीं, गद्य लेखन में भी नया मार्ग प्रशस्त किया हैं। अपनी रचनाओं में सरल शब्दों का प्रयोग किया हैं। उर्दू गद्य-लेखन की नींव रखने के कारण इन्हे वर्तमान उर्दू गद्य का जन्मदाता भी कहा जाता हैं। इनकी अन्य रचनाएँ लतायफे गैबी, दुरपशे काव्यानी, नाम-ए-ग़ालिब, मेहनीम इत्यादि गद्य मे हैं। फारसी



के कुल्लियात मे फारसी कविताओं का संग्रह है। दस्तब मे इन्होने 1857 ई. के बलवे का आंखों देखा विवरण फारसी गद्य मे लिखा है, इसके अलावा उर्दू-ए-हिंदी, उर्दू-ए-मुअल्ला भी हैं। इनकी रचनाओं में देश की तत्कालीन, राजनीतिक, आर्थिक स्थिति का वर्णन हुआ हैं। उनकी खूबसूरत शायरी का संग्रह दीवान-ए-ग़ालिब का अनेक स्वदेशी व विदेशी भाषाओं में अनुवाद हो चुका हैं।

ग़ालिब की शायरी ने उर्दू अदब को नए पंख और नया आसमान दिया हैं। मिर्जा ग़ालिब हमेशा उर्दू के सबसे बड़े शायरों में रहेंगे। उर्दू और फारसी के बेहतरीन शायर के रूप में उनकी ख्याती दूर-दूर तक फैली तथा अरब एवं अन्य राष्ट्रों में भी वे अत्यंत लोकप्रिय हुए। ग़ालिब की शायरी का बड़ा हिस्सा फारसी में है, कम उर्दू में है लेकिन जितना लिखा है, वो ही आने वाले कई जमाने तक लोगों को सोचने पर मजबूर करने के लिए काफी हैं। ग़ालिब की शायरी की सबसे खूबसूरत बात ये है कि, वो किसी एक रंग या किसी एक एहसास से बंधे नहीं, जीवन के हर पड़ाव की स्थिति पर उनका शेर हैं। ग़ालिब शायद उर्दू के इकलौते ऐसे शायर है, जिनका कोई न कोई शेर जिंदगी के किसी न किसी मौके पर आधारित हैं। ग़ालिब की शायरी में एक तड़प, एक तंज, एक चाहत, एक आशिकाना अंदाज देखने को मिलता है जो सहज ही पाठकों के दिल को छू लेता हैं। कुछ ऐसे ही उनकी मशहूर रचनाओं के चंद शेर प्रस्तुत हैं।

मिर्जा ग़ालिब साहब के जन्मदिन के मौके पर उनके गजलों की कुछ पंक्तियाँ और कुछ चुनिंदा शेर पेश हैं।

इस कदर तोड़ा है मुझे उसकी बेवफाई ने ग़ालिब,

अब कोई अगर प्यार से भी देखे तो बिखर जाता हूँ

फिर उसी बेवफा पे मरते है, फिर वही जिंदगी हमारी है,

बेखुदी बेसबब नही ग़ालिब, कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है।

ग़ालिब बुरा न मान जो वाइज बुरा कहे, ऐसा भी कोई है के सब अच्छा कहे जिसे।

आह को चाहिए इक उम्र असर होते तक, कौन जीता है तेरी जुल्फ के सर होते तक।

बगीचा-ए-अतफ़ाल है दुनिया मिरे आगे, होता है शब-ओ-रोज तमाशा मिरे आगे।

बस-कि दुश्वार है हर काम का आसों होना,

आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसॉ होना।

दिल-ए-नादाँ तुझे हुआ क्या है, आखिर इस दर्द की दवा क्या है।

इशरत-ए-क़तरा है दरिया में फ़ना हो जाना,

दर्द का हद से गुजरना है दवा हो जाना।

काबा किस मुँह से जाओगे ग़ालिब, शर्म तुमको मगर नहीं आती कहाँ वाइज

कहाँ मयखाने का दरवाजा ग़ालिब और हम निकले।

मिर्जा ग़ालिब के जीवन पर फिल्म, धारावाहिक व नाटकों का मंचन होता रहा हैं। हालांकि गजल की दुनिया में ग़ालिब बहुत मशहूर हुए और उनकी राह पर देश-दुनिया के गायक भी चल पड़े जैसे जगजीत सिंह, मेहंदी हसन, आबिदा परवीन, फरीदा खानुम, टीना सानी, बेगम अख्तर, गुलाम अली, राहत फतेह अली खान कुछ ऐसे ही गायक हैं। भारत व पाकिस्तान सरकार की ओर से मिर्जा ग़ालिब पर सिक्के, डाक टिकट जारी किये गये। मिर्जा ग़ालिब ने जो विश्व को धरोहर दी है, वो अतुलनीय हैं। अंतरराष्ट्रीय, राष्टीय, राज्य स्तर पर बेहतरीन रचनाओं के लिए मिर्जा ग़ालिब के नाम से बहुत से पुरस्कार व सम्मान दिए जाते हैं। दिल्ली में ग़ालिब संग्रहालय बनाया गया हैं। ग़ालिब अकादमी, ग़ालिब इंस्टीट्यूट, ग़ालिब की हवेली देश में मशहूर हैं। उनकी याद में दुनिया भर में मुशायरे आयोजित किए जाते हैं। मिर्जा ग़ालिब हमेशा अपनी रचनाओं से पाठकों के दिलो मे राज करते रहेंगे, चाहे कितनी भी सदियां गुजर जाए और वे नए रचनाकारों को कल भी प्रेरणा देते थे आज भी प्रेरणा देते है और हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे।

– डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मादा भालू ने इकलौते शावक को दिया जन्म विभाग की निगरानी में सुरक्षित आवास

साकोली–तहसील के सराटी-मोहघाटा वन क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने पुल के नीचे एक मादा भालू द्वारा लगभग एक से डेढ़ माह पूर्व शावक को जन्म देने की दुर्लभ घटना सामने आई है. यह क्षेत्र वन विकास महामंडल के अंतर्गत आता है. घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कदम उठाते हुए मादा भालू और उसके शावक की सुरक्षा के लिए घेराबंदी की है तथा दिन रात कड़ी निगरानी रखी जा रही है. राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे के नीचे गांव की सराटी वन क्षेत्र में पुल ओर जाने वाले नाले के पास मादा भालू ने प्राकृतिक और सुरक्षित स्थान का चयन कर शावक को जन्म दिया. नियमित गश्त पर तैनात वनकर्मियों की नजर जब इस पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी. बाघ, तेंदुआ, जंगली कुत्ते और भेड़िए जैसे अन्य वन्यजीवों से शावक को किसी प्रकार का खतरा न हो तथा भालूनी आक्रामक न बने, इस उद्देश्य से तुरंत सुरक्षात्मक उपाय लागू किए गए. साकोली के सहायक वनसंरक्षक संजय मेंडे के मार्गदर्शन में लाखनी के वन परिक्षेत्र अधिकारी नितेश धनविजय ने मौके पर घेराबंदी कर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की है. फिलहाल मादा भालू शावक के पास ही रहती है और रात के समय भोजन की तलाश में जंगल की ओर जाती है. धूप, हवा और बारिश से संरक्षण देने वाला यह स्थान पूरी तरह प्राकृतिक और सुरक्षित आवास है, ऐसा वन विभाग ने स्पष्ट किया है. वन विभाग के अनुसार, आगामी 10 से 15 दिनों में मां भालू अपने शावक के साथ जंगल की ओर लौटने की संभावना है.

शराब व सामग्री बरामद

गोंदिया–पुलिस ने आसोली निवासी प्रकाश सोमाजी मेश्राम (51) के घर पर छापा मारकर देशी शराब की 12 बोतल जब्त की. इस मामले की जांच हवलदार संजय मरस्कोल्हे कर रहे हैं. दूसरी कार्रवाई ग्राम ईरीं निवासी राजू भैयालाल गडपायले के खिलाफ की गई. पुलिस ने उसके पास से तीन हजार का महुआ फूल जब्त किया. उक्त आरोपी ने शराब बनाने के लिए महुआ फूल को जमा करके रखा था. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र शराब बंदी कानून के तहत मामला दर्ज किया है. यह कार्रवाई हवलदार विजय कांबडे ने की. इसके अलावा आसोली निवासी आरोपी तीर्थराज रमेश खांडेकर (45) के पास से देशी शराब को जब्त कर उसे नष्ट किया. यह कार्रवाई हवलदार दुर्गाप्रसाद कनोजे ने की.

निरंतर कराई जानी चाहिए तथा किसी

भी प्रकार की जटिलता महसूस होने पर तुरंत अस्पताल से संपर्क करना चाहिए। प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पलाश गणवीर ने सिकल सेल से पीड़ित गर्भवती माताओं के लिए आवश्यक देखभाल एवं रोकथाम के उपाय सरल भाषा में समझाए। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को अधिक मात्रा में पानी पीना चाहिए,

अत्यधिक थकान से बचना चाहिए, संक्रमण से बचाव हेतु स्वच्छता का पालन करना चाहिए तथा बुखार, दर्द, सांस लेने में तकलीफ, हाथ-पैरों में सूजन जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। स्वयं से दवाइय़ां न लेने की सलाह भी दी गई। आहार परामर्शिका स्वाती बनसोड ने सिकल सेल से पीड़ित एएनसी माताओं को आहार संबंधी सुझाव देते हुए कहा कि उन्हें आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम एवं प्रोटीन युक्त आहार लेना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, दूध, अंडे एवं फलों को आहार में शामिल करना चाहिए। खाली पेट न रहें तथा

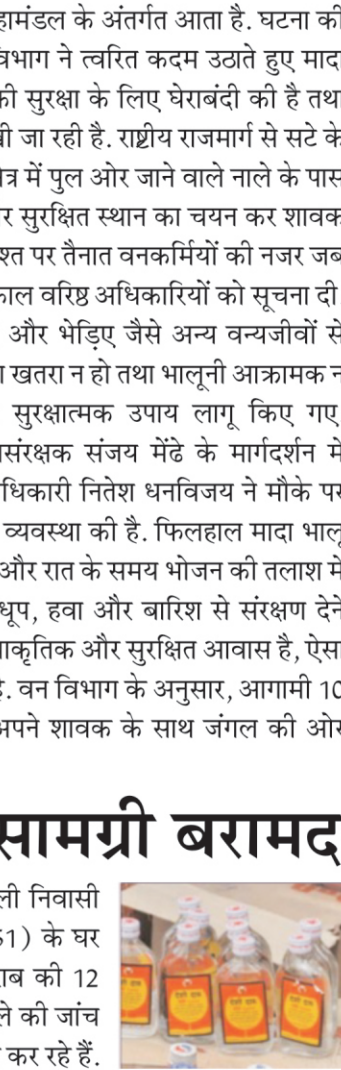
कचरा गाड़ी-बाइक टकराई, 1 घायल

गोंदिया-गोरेगांव नेशनल हाईवे मार्ग पर हादसा

गोंदिया–गोंदिया-गोरेगांव नेशनल हाईवे मार्ग पर गोंदिया नगर परिषद की कचरा गाड़ी और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई. जिसमें मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. यह घटना 22 दिसंबर को दोपहर 2 बजे के दौरान हाईवे पर घटित हुई है. उल्लेखनीय है कि गोंदिया शहर का कचरा नगर परिषद की कचरा गाड़ियों से गोरेगांव एमआईडीसी में ले जाकर संग्रहित किया जाता है. प्रतिदिन की तरह कचरा गाड़ी क्र. एमएच 35- एजे 3579 में कचरा भरकर गोरेगांव एमआईडीसी में कचरा खाली कर गोंदिया की ओर लौट रही थी कि इसी दौरान मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35- एन 2423 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन



को चलाते हुए कचरा गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी. इस घटना में मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है. गंभीर रूप से घायल होने से उसकी पहचान कर पाना मुश्किल हुआ. हाईवे से गुजर रहे राहगीरों ने घायल को उपचार के लिए गोंदिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया है.



अब तक 765 शिकायतों का समाधान

जिलाधीश नायर के निर्देश-आपले सरकार पोर्टल की शिकायतों का निपटारा करें



गोंदिया-जिले में आम जनता की रोजमर्रा की समस्याओं, सरकारी स्तर पर प्रलंबित कामों, प्रलंबत मामलों, ग्रामीण इलाकों के नागरिकों की समस्याओं, आर्थिक लूट आदि से जुड़े सभी आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई कर निपटारा करने के लिए आपले सरकार शिकायत निवारण पोर्टल बनाया गया है. संबंधित विभाग आपले सरकार पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का तुरंत निपटारा करें ऐसे निर्देश जिलाधीश कार्यालय के सभागृह में आपले सरकार पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के निपटारे को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधीश प्रजीत नायर ने दिए. विशेष बैठक में जिप सीईओ मुरुगान्थम, परिवक्षाधीन आईएएस अधिकारी साईकरन नंдалा, निवासी उप जिलाधीश भैयासाहेब बेहेरे, आपले सरकार पोर्टल के जिला परियोजना अधिकारी हरिचंद्र पौनीकर और विभिन्न विभागों के अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे. जिलाधीश ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने नागरिकों को अलग-अलग शिकायतें दर्ज करने के लिए आपले सरकार पोर्टल उपलब्ध कराया है. इस पर अलग-अलग पब्लिक सर्विस से जुड़ी शिकायतें दर्ज होती हैं, जैसे किसी सरकारी ऑफिस में काम में देरी, समय पर प्रमाणपत्र न मिलना, सरकारी योजनाओं में रुकावट या निधि वितरण में गलतियां, स्थानीय प्रशासन से जुड़ी शिकायतें जैसे पानी पूर्ति, कचरा व्यवस्थापन, सड़क मरम्मत, सीवर की सफाई, बिजली आपूर्ति में रुकावट, गलत पेमेंट, सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा में सुविधाओं का न होना, स्कूल और कॉलेजों में प्रशासकीय दिक्कतें. ऐसी अनेक

शिकायतों दर्ज कराई जाती हैं. इसलिए सभी विभाग इस पर गंभीरता से ध्यान दें और आपले सरकार पोर्टल पर प्रलंबित मामलों को तुरंत हल करें.

आपले पोर्टल पर 868 शिकायतें मिली

इस अवसर पर आपले सरकार पोर्टल के जिला प्रकल्प अधिकारी पौनीकर ने बताया कि आपले सरकार पोर्टल पर अपने विभाग की यूजर ड्रष्ट कैसे बनाएं, यूजर ड्रष्ट के लिए पासवर्ड कैसे बनाएं. पोर्टल में अपने विभाग की जानकारी कैसे भरें. इस पर कम्प्यूटर सिस्टम के जरिए जानकारी दी. उन्होंने बताया कि आपले सरकार पोर्टल पर अब तक 868 शिकायतें मिली हैं, जिनमें से 765 शिकायतों का समाधान कर दिया गया है.

प्रशासन गांव की ओर योजना का भी संचालन

जिलाधीश कार्यालय में बने मुख्यमंत्री सचिवालय कक्ष में प्रलंबित शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जाए. राजीव गांधी प्रशासकीय गतिमान अभियान के तहत कोई नई योजना लागू की है, तो उस योजना की जानकारी जिलाधीश कार्यालय को दी जाए. इसके लिए पुरस्कार भी रखा गया है. साथ ही, 19 से 25 दिसंबर 2025 तक सुशासन सप्ताह चलाया जा रहा है, इसी तरह %प्रशासन गांव की ओर% पहल भी चलाई जा रही है. सभी विभाग इसमें हिस्सा लें जनता को साफ-सुथरी और पारदर्शक सरकारी सेवाओं का लाभ दें. ऐसी जानकारी निवासी उप और जिलाधीश भैयासाहेब बेहेरे ने दी.

तेज रफ्तार कार पलटने से युवक की हुई मौत गुंजेपार फाटे के पास हुआ हादसा



भंडारा-खात रोड पर गुंजेपार फाटे के समीप तेज रफ्तार कार पलट जाने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई. हादसा सोमवार की रात करीब 1.30 बजे हुआ. मृतक का नाम सिविल लाइन, भंडारा निवासी रोहित प्रदीप शर्मा (25) है.जानकारी के अनुसार, प्रगति कॉलोनी, वरठी रोड, भंडारा निवासी हरिश खुशाल सूर्यवंशी (32) अपने मित्र रोहित शर्मा के साथ मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार से रात के समय घर लौट रहा था. उस समय रोहित शर्मा शराब के नशे में था और कार को तेज गति से लापरवाही पूर्वक चला रहा था. गुंजेपार फाटे के पास अचानक कार अनियंत्रित होकर पलट गई. इस हादसे में रोहित शर्मा के सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई. कार में सवार हरिश सूर्यवंशी सौभाग्य से सुरक्षित बच गया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. इस मामले में भंडारा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक वानखेड़े कर रहे हैं.

9.0 डिग्री पर पहुंचा, जनजीवन प्रभावित

गोंदिया-जिले में न्यूनतम केसाथ-साथ अब अधिकतम पारा भी लुढ़का हुआ नजर आ रहा है. पिछले कुछ दिनों पर गौर किया जाए तो गोंदिया जिला ही विदर्भ में सर्वाधिक ठंडा दर्ज किया जा रहा है. 23 दिसंबर को गोंदिया का न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री दर्ज किया गया. जो विदर्भ में सबसे कम ही रहा. वहीं अधिकतम तापमान भी 27.2 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया. यह भी विदर्भमें सबसे कम ही दर्ज किया गया. ठंडी हवाओं ने लोगों की ठिठुरन बढ़ा दी है. शाम होते ही जनजीवन पर ठंड का सीधा असर दिखाई पड़ रहा है. उल्लेखनीय है कि गोंदिया जिला ठंड के मौसम की शुरुआत से ही विदर्भ में सर्वाधिक ठंडा ही दर्ज किया जा रहा है. ठंड से हालात से लोग अपने घरों के अंदर अलाव जलाकर स्वयं को गर्म रखने का प्रयास कर रहे हैं. मैदानी इलाकों में तो हालात बेहद बुरे हैं. सुबह से रात तक चलने वाली ठंडी हवाओं ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है. वहीं शहर की बात करें तो शाम के बाद सड़कें वीरान नजर आने लगी है. दिन में सूरज निकलने के बावजूद ठंड से नागरिकों को निजात नहीं मिल रही है. घरों में बैटे-बैटे भी लोग ठंड से कांप रहे हैं.

दिग्गजों की हार, नए चेहरों की जीत-जिले में भाजपा का दबदबा

4 नगर परिषदों में 2 में भाजपा, 1 राकां, 1 निर्दलीय

भंडारा-जिले की चार नगर परिषदों के चुनाव परिणामों ने स्थानीय राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है. मतदाताओं ने कई दिग्गज नेताओं को नकारते हुए नए और युवा चेहरों को अवसर दिया. इन चुनावों में कुल 4 नगर परिषदों से भारतीय जनता पार्टी ने दो नगर परिषदों में अध्यक्ष



पद जीतकर बहुत हासिल की, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित) को एक और एक नगर परिषद में निर्दलीय उम्मीदवार को सफलता मिली. कुल मिलाकर जिले की राजनीति में भाजपा का दबदबा स्पष्ट रूप से सामने आया है. भंडारा जिले की भंडारा, तुमसर, पवनी और साकोली नगर परिषदों के अध्यक्ष और 100 पार्षदों के लिए 2 दिसंबर को मतदान हुआ था. मतगणना के बाद आए परिणामों ने कई राजनीतिक समीकरण बदल दिए. चार नगर परिषदों में से भंडारा और साकोली में भाजपा के उम्मीदवारों ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पवनी और तुमसर नगर परिषद में निर्दलीय उम्मीदवार ने अध्यक्ष पद हासिल किया.

लगातार छठी बार 823 रिकॉर्ड मतों से जीत गुनेरिया ने तिरोड़ा शहर में रचा राजनीति इतिहास

तिरोड़ा-नगर परिषद चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राजेश गुनेरिया ने 1,195 मत प्राप्त किए, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रवीण कैलाश वाघमारे को 375 मत मिले. इस प्रकार राजेश गुनेरिया ने 823 मतों के भारी अंतर से जीत दर्ज करते हुए लगातार छठी बार ऐतिहासिक सफलता हासिल की है. तिरोड़ा के राजनीतिक इतिहास में यह एक उल्लेखनीय और अभूतपूर्व उपलब्धि मानी जा रही है. सन 1997 से राजेश गुनेरिया लगातार नप सदस्य के रूप में तिरोड़ा शहर का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं. बीते कई दशकों में उन्होंने शहर के विकास, नागरिकों की समस्याओं के समाधान और विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है. शहर का कोई भी विकास कार्य हो या किसी नागरिक की



अत्यंत लोकप्रिय बनाती है. वे हमेशा सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहते हैं और नागरिकों से सीधे संवाद पर जोर देते हैं. इसी कारण तिरोड़ा शहर के मतदाताओं ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए रिकॉर्ड मतों से जीत दिलाई है. राजेश गुनेरिया की यह जीत न केवल उनकी लोकप्रियता का, बल्कि जनता के अटूट विश्वास का भी प्रतीक मानी जा रही है.

व्यक्तिगत समस्या – राजेश गुनेरिया स्वयं पहल कर उसे सुलझाने का प्रयास करते हैं. उनकी यही कार्यशैली, सादगी और जनसेवा की भावना उन्हें नागरिकों के बीच

गोंदिया नगर परिषद में कांग्रेस के पक्ष नेता बने सत्यनिष्ठ से जिम्मेदारी को निभाऊंगा : ठाकुर



गोंदिया-शहीद भोला भवन में कांग्रेस पार्टी की बैठक पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चौधरी की अध्यक्षता व प्रफुल्ल अग्रवाल की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुई. जिसमें पार्षद राकेश ठाकुर को सर्वानुमति से गोंदिया नप में कांग्रेस का पक्ष नेता चुना गया. आयोजित सभा में नगराध्यक्ष सचिन शेंडे व कांग्रेस पक्ष के सभी विजयी पार्षद उपस्थित थे. जिनमें अमर केवलदास रंगारी, ज्योती राजु फुंडे, चंद्रकुमार

आत्माराम चुटे, सुनिल देवाजी भालेवार, संध्या उत्तम यादव, रुपेश विजयकुमार नशिने, संगीता अशोक गुप्ता, दीपिका देवा रुसे आदि उपस्थित थे. इस अवसर पर राकेश ठाकुर ने कहा कि उनके नेता पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने उन्हें जो जिम्मेदारी प्रदान की है, वे उसका पूरी सत्यनिष्ठ व कर्तव्यदक्षता के साथ पालन करते हुए कांग्रेस पक्ष नेता की सभी जिम्मेदारियों को सभी के सहयोग से निभाने का प्रयास करेंगे.

उपाध्यक्ष के लिए जोड़ तोड़ प्रारंभ कांग्रेस के येरोला वहीं भाजपा के बारेवार का नाम चर्चा में

गोरेगांव- गोरेगांव नप चुनाव में मतदाताओं ने सत्ता की चाबी कांग्रेस को सौंपी है. जिसमें कांग्रेस के तेजराम (छोटू) बिसेन गोरेगांव नप के नए नगर

नेता व पूर्व सरपंच मलेश्याम येरोला इस रेस में सबसे आगे दिखाई दे रहे हैं. पार्टी अध्यक्ष जगदीश येरोला ने कहा कि अभी इस विषय को लेकर पार्टी की कोई बैठक नहीं हुई है जल्द

अध्यक्ष बन गए हैं. लेकिन वहीं नगर उपाध्यक्ष पद के लिए जोड़-तोड़ शुरू हो गई है. यहां 17 सीटों वाली नप में अकेली कांग्रेस के पास 10 पार्षद हैं वहीं दूसरी ओर भाजपा के 5 पार्षद तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 2 पार्षद जीतकर आए हैं. ऐसे में महायुति गठबंधन के हिसाब से भी देखा जाए तो महायुति के 7 पार्षद होते हैं जो उपाध्यक्ष के बहुमत से दूर है. लेकिन राजकीय रणनीति में कुछ भी हो सकता है जिस पर सभी की नजरें लगी हुई है. शहर में नप चुनाव परिणाम आते हैं नगर उपाध्यक्ष पद को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं. यहां 17 पार्षदों में से कांग्रेस के पास 10 पार्षद हैं जिसमें अधिकतर पार्षदों का यह पहला मौका है. ऐसे में अनुभव के आधार पर देखा जाए तो कांग्रेस के वरिष्ठ

ही पार्षदों की बैठक में यह निर्णय सर्वानुमति से लिया जाएगा.

पदभार में अभी समय

वहीं भाजपा की ओर से पूर्व नगर अध्यक्ष आशीष बारेवार का नाम भी चर्चाओं में है लेकिन उपाध्यक्ष बनने के लिए बहुमत का जादुई आंकड़ा चाहिए जो कांग्रेस के पास है ऐसे में इस के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा. यहां राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार नगर पंचायत में पदभार ग्रहण करने के लिए 20 दिनों का समय और भी लग सकता है ऐसे में आने वाले दिनों में नगर उपाध्यक्ष पद को लेकर माहौल गर्माया जा सकता है जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार है.

भारतीय लोक संस्कृति की विरासत को सहेजने वाले आमदार सांस्कृतिक महोत्सव का सड़क अर्जुनी में एक शानदार उद्घाटन महोत्सव के पहले दिन पावा के लाइव म्यूज़िक से रहा रंगारंग 150 से ज़्यादा कलाकारों ने हिस्सा लिया

बुलंद गोंदिया। (सड़क अर्जुनी)– अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र में भारतीय लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया शानदार आमदार सांस्कृतिक महोत्सव सड़क अर्जुनी में शुरू हुआ। पूर्व मंत्री और विधायक राजकुमार बडोले द्वारा आयोजित इस फेस्टिवल में 150 से ज़्यादा कलाकार हिस्सा लिया , और डांस, म्यूज़िक और कीर्तन जैसे कई कल्चरल प्रोग्राम पेश किए जाएंगे। फेस्टिवल के पहले दिन मशहूर कलाकार पावा द्वारा लाइव म्यूज़िक और मेडिटेशन का एक खास प्रोग्राम पेश किया गया। इस प्रोग्राम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर आमगांव देवरी विधानसभा क्षेत्र के



विधायक संजय पुराम, भाजपा भंडारा गोंदिया समन्वयक वीरेंद्र अंजनकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रेम राहंगडाले, भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष सीता राहंगडाले, शिवसेना जिला अध्यक्ष सुरेंद्रनाथडू, जिला परिषद सभापती डॉ. लक्ष्मण भगत, जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष यशवंत गणवीर, पंचायत समिति अध्यक्ष चेतन

वडगाये, सड़क अर्जुनी के.कृ.उ.बा.स. संचालिका शारदाताई बडोले, जिला परिषद सदस्य डॉ. भूमेश्वर पटले, प्रकाश गहाणे, जिला परिषद सदस्य कविता रंगारी, पंचायत समिति पूर्व अध्यक्ष मनोज बोपचे, लक्ष्मीकांत धनगाये, राजहंस ढोके, तेजराम मडावी, किशोर तरोने, जितेंद्र मौर्य, अर्जुनी मोरगांव लोकपाल गहाणे, डॉ. अविनाशजी काशीवार, राजेश कठाने, राधेश्याम भेंडरकर, अर्जुनी मोरगांव नगर पंचायत नगरसेवक दानेश साखरे, भैयालाल पुस्तोड़े, लॉर्ड बुद्धा टीवी के मून, संघर्ष हुकरे के साथ आयोजन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे। यह फेस्टिवल लोकल कलाकारों को एक प्लेटफॉर्म देने के लिए आयोजित किया गया है, और आने वाले दिनों में दर्शकों को और भी कई रंगारंग प्रोग्राम देखने को मिलेंगे।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर महाराष्ट्र माइनोंरिटी एनजीओ फोरम व हेल्पिंग हैंड्स फ्री क्लिनिकके तत्वधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

बुलंद गोंदिया। अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र माइनोंरिटी एनजीओ फोरम व हेल्पिंग हैंड्स फ्री क्लिनिककार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी, संवेदना और सेवा-भाव का सशक्त व जीवंत उदाहरण भी बना।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. सचिन केलंका एवं डॉ. फारुख की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर परवेज बेग मिर्ज़ा,सैयद शाहिद अली,गुलाम दस्तगीर भाई, जुबेर खान,इरशाद मेमन, इरशाद सिद्दीकी, आहना शेख सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।स्वास्थ्य, सम्मान और अधिकार – अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर हेल्पिंग हैंड्स फ्री क्लिनिक व महाराष्ट्र माइनोंरिटी NGO फोरम



की समाज सेवा की सशक्त पहल के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर में नागरिकों के लिए ईसीजी (ECG), रक्तचाप (BP), शुगर जांच, ऑक्सिमीटर, नेबुलाइज़र, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, साथ ही त्वचा रोग विशेषज्ञ, जनरल सर्जन, दंत चिकित्सा, नेत्र जांच, कान जांच सहित अनेक प्रकार की चिकित्सकीय सेवाएँ अनुभवी डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क प्रदान की गईं।

इस शिविर का लाभ बड़ी संख्या में नागरिकों ने उठाया, विशेष रूप से अल्पसंख्यक एवं ग़रूरतमंद वर्ग के

लोगों को इसका व्यापक लाभ मिला। निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पाकर लोगों के चेहरों पर संतोष, राहत और भरोसे की झलक साफ दिखई दी।

आयोजकों ने बताया कि ह्रतह का उद्देश्य केवल इलाज उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को स्वास्थ्य, सम्मान और समान अवसरों से जोड़ना है। यह सफल आयोजन इस बात का स्पष्ट संदेश देता है कि अल्पसंख्यक अधिकार दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि सेवा, समानता और मानवता को सशक्त बनाने का

एक महत्वपूर्ण अवसर है। कार्यक्रम का मंच संचालन परवेज़ बेग ने व आभार प्रदर्शन जुबेर खान ने किया।

यंत्रों की कीमत बढ़ी किसान संकट में

देवरी–वर्तमान दौर में विभिन्न यंत्रों की कीमत बढ़ी है, इन यंत्रों में लगने वाले डीजल, पेट्रोल के दर किसानों के बूते नहीं है, कृषि के लिए कीटनाशक की कीमत बहुत बढ़ गई है. पाइप, मजदूरी की दर में वृद्धि हुई है, इसी तरह विद्युत बिल व अन्य वस्तुओं की कीमत बढ़ने से जुताई का खर्च भी बढ़ गया है. इस सबसे बड़ी समस्या मजदूरों की है. खोज करने के बाद भी मजदूर नहीं मिल रहे हैं. मिल भी गए तो कम समय में बड़ी मजदूरी चुकानी पड़ती है. इन सभी परेशानियों को लेकर किसान आर्थिक संकट में फँस गया है.

गोंदिया न.प स्वीकृत सदस्य के लिए कांग्रेस से संदीप रहांगडाले का नाम चल रहा चर्चाओं में

बुलंद गोंदिया। नगर परिषद चुनाव संपन्न होते ही अब स्वीकृत सदस्यों के पद के लिए लाबिंग शुरू हो चुकी है कांग्रेस पक्ष से स्वीकृत सदस्य के लिए संदीप रहांगडाले का नाम प्रमुखता से चर्चा में चल रहा है। गौरतलब है की कांग्रेस नेता प्रफुल्ल अग्रवाल के करीबी के निष्ठावान कार्यकर्ता संदीप रहांगडाले द्वारा प्रभाग क्रमांक 7 से कांग्रेस पक्ष से अपनी उम्मीदवारी की मांग की थी। लेकिन पक्ष द्वारा राजू पारधी को टिकट दी गई थी टिकट वितरण के पश्चात से क्षेत्र के युवा कार्यकर्ताओं में नाराजगी थी लेकिन फिर भी पक्ष द्वारा दिए गए उम्मीदवार का कार्य पक्ष निष्ठ रहते हुए संदीप रहांगडाले द्वारा किया गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कांग्रेस में संदीप रहांगडाले को नप के स्वीकृत सदस्य पद की उम्मीदवारी देने की मांग जोरों से चल रही है। जिससे चल रही चर्चा के अनुसार रहांगडाले



को स्वीकृत पद की उम्मीदवारी दी जा सकती है। उल्लेखनीय है रहांगडाले भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के 2010 से 2012 तक गोंदिया शहर अध्यक्ष,वर्ष 12 से 17 तक जिला अध्यक्ष तथा वर्ष 17 से 19 तक महाराष्ट्र प्रदेश के उपाध्यक्ष व विदर्भ के प्रभारी भी रह चुके हैं, जिसके चलते नगर परिषद में एक युवा को अवसर देने की चर्चा के अनुसार कांग्रेस पक्ष की ओर से उनका नाम स्वीकृत सदस्य के रूप में प्रमुखता से चल रहा है।

बोरवेल निर्माण का भूमिपूजन पेयजल सुविधा सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण कदम

बिरसीफाटा/तिरोड़ा–लाखेगांव ग्राम में पेयजल सुविधा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया. सरपंच भास्कर जुनेवार के प्रयासों से जिप सदस्य माधुरी रहांगडाले की विकास निधि से दो बोरवेल निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह हुआ. यह भूमिपूजन परमपूज्य परमात्मा एक सेवक चर्चा सत्र भवन के सामने तथा श्मशान घाट परिसर में आयोजित किया गया. भूमिपूजन कार्यक्रम जिप सदस्य माधुरी रहांगडाले, पंस सदस्य जयप्रकाश पटले व सरपंच भास्कर जुनेवार के हाथों हुआ. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व सरपंच नरेश जुनेवार, मुलचंद खोन्नागडे, भेदराम बिंझाडे, आसू पटले, मुन्नालाल बिंझाडे,



राजकुमार बिंझाडे सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे. इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किए जा रहे हैं. माधुरी रहांगडाले ने कहा कि गांव के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और आगे भी विकास कार्यों के लिए निधि उपलब्ध कराई जाएगी.

हनुमानजी केवल बल ही नहीं बल्कि विवेक, सेवा और शांति के प्रतीक भी हैं ऋतेश्वर महाराज

गोंदिया–गोंदिया के डी. बी. साईंस कॉलेज के मैदान पर 21 से 23 दिसंबर तक भव्य हनुमंत कथा का आयोजन किया गया है। यह तीन दिवसीय आध्यात्मिक कथा भक्तों को सदुर ऋतेश्वर महाराज सुना रहे हैं। इस आयोजन के निमित्त 20 दिसंबर को सदुर का गोंदिया में आगमन हुआ। हनुमंत कथा की पृष्ठभूमि पर शनिवार, 20 दिसंबर को सांसद प्रफुल्ल पटेल के निवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। इस समय पत्रकारों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि हनुमानजी केवल बल ही नहीं बल्कि विवेक, सेवा और शांति के प्रतीक है। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन सांसद प्रफुल्ल पटेल के परिवार की ओर से किया गया है। समुह के



गोंदिया आगमन के उपलक्ष्य में सांसद पटेल के निवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस ली गई। इस अवसर पर सांसद पटेल ने कहा कि वर्ष 2014 के चुनाव के दौरान पहली बार सदुर ऋतेश्वर महाराज से मुलाकात हुई और उस मुलाकात से एक अलौकिक अनुभूति मिली। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सदुर ऋतेश्वर महाराज ने हनुमानजी के चरित्र का गहरा अर्थ उजागर किया।

खमारी में 21 पुरुषों की नसबंदी



गोंदिया–परिवार नियोजन कार्यक्रम पर लक्ष्य केंद्रित के लिए और पुरुषों को इस कार्यक्रम में अधिकाधिक शामिल और मजबूत करने के लिए, इस वर्ष पुरुष नसबंदी शल्यक्रिया पखवाड़ा जिले में 21 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलाया गया. आयोजित शिविर में लोगों को निःशुल्क सेवा दी गई और बड़े पैमाने पर प्रचार किया गया. जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोलहार ने कहा है कि पुरुष नसबंदी से निश्चित रूप से ऐसी शस्त्रक्रिया की दर बढ़ाने में मदद मिलेगी. जिससे समाज में जागरूकता आएगी. आयोजित पखवाड़े के तहत गोंदिया तहसील की ओर से प्राथमिक स्वास्थ्य खमारी में नसबंदी शिविर आयोजित हुआ. जिसमें 21 पुरुषों की शल्यक्रिया डॉ. प्रशांत तुरकर और डॉ. चुलपार ने की. ऐसी

जानकारी खमारी के वैद्यकीय अधिकारी डॉ. कुंदन मेश्राम ने दी है. सफलतापूर्वक तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नीलेश जाधव और खमारी पीएचसी के वैद्यकीय अधिकारी डॉ. कुंदन मेश्राम और उनकी टीम के उत्कृष्ट योगदान से हुई. लोगों को जागरूक करने स्वास्थ्य कर्मचारी व आशा सेविका ने अहम भूमिका निभाई. शिविर में वैद्यकीय अधिकारी डॉ. शहजादा राजा और डॉ. कुंदन मेश्राम के नियोजन में सभी कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी. जिसमें प्रयोगशाला वैज्ञानिक अधिकारी शेख, स्वास्थ्य सहायक तावाड़े, स्वास्थ्य सहायिका गौतम, स्वास्थ्य सेवक राठीड़ और चतुर, सेविका तिवारी, टेम्भुरकर, भगत, धकिते, मडावी, लदरे आदि ने प्रयास किया.

गोंदिया -बालाघाट राष्ट्रीय महामार्ग मंथर गति व लापरवाही पूर्ण तरीके से निर्माण-वृक्षधरा फाउंडेशन ने जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन



बुलंद गोंदिया। गोंदिया से बालाघाट के राष्ट्रीय महामार्ग का निर्माण कार्य गत काफी समय से चल रहा है जो धीमी गति से चलने के साथ ही लापरवाही पूर्ण तरीके से तथा सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर किया जा रहा है। जिससे उपरोक्त मार्ग के सैकड़ों ग्राम के नागरिकों वह आवागमन करने वाले नागरिकों के जीवन पर संकट मंडरा रहा है इसे देखते हुए वृक्षधरा फाउंडेशन ने जिलाधिकारी वह गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल को निवेदन देकर इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग। गौरतलब है की गोंदिया से बालाघाट तक के राष्ट्रीय महामार्ग का निर्माण कार्य गति 1 वर्ष से अधिक समय से चल रहा है जिसमें रावणवादी से गोंदिया तक के निर्माण कार्य के दौरान संबंधित कंपनी द्वारा लापरवाही पूर्ण व धीमी गति से कार्य किया जा रहा है। अनेक स्थानों पर मार्गों के दोनों ओर गहरी खुदाई कर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है तथा सुरक्षा बैरिकेट्स, चेतावनी संकेत नाही रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं, जिसके चलते आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है तथा प्रतिदिन इसकी संख्या बढ़ रही है। उपरोक्त मार्ग से वाहन चालको किसानों,विद्यार्थीयों एंबुलेंस सेवाएं तथा आम नागरिक अपनी जान जोखिम में डालकर यात्रा करने पर मजबूर हो रहे हैं। साथ ही धूल मट्टी के कारण विभिन्न रोग, आंखों की जलन व स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी तेजी से क्षेत्र में बढ़ गई है इस पर तत्काल कड़ी कार्रवाई कर जल्द से जल्द कार्य पूरा करने का निर्देश देने के लिए वृक्षधरा फाउंडेशन द्वारा जिलाधिकारी प्रजीत नायर वह गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल को निवेदन देकर की है।

महामार्ग का अधूरा कार्य जल्द से जल्द गुणवत्ता पूर्वक किया जाए वृक्षधरा फाउंडेशन ने मांग की है कि उपरोक्त अधूरे कार्य को जल्द

से जल्द पूरा किया जाए उपरोक्त कार्य मंद गति से हो रहा है जिससे दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है।

सैकड़ों वर्ष पुराने वृक्षों की कटाई भरपाई करेगा कौन ?

महामार्ग के निर्माण के दौरान मार्ग के दोनों ओर के 100 वर्ष से अधिक के पुराने वृक्षों को काटा गया है जिसकी भरपाई की जिम्मेदारी किसकी है विकास तो किया जा रहा है लेकिन पर्यावरण के साथ खिलवाड़ हो रहा है तथा वृक्षारोपण की फाइल कागजों पर सीमित रह गई है इस पर मांग की है कि कटे हुए वृक्षों के बदले महामार्ग के दोनों ओर 8 फीट ऊंचाई वाले देसी प्रजाति के वृक्षों का रोपण कर उसका संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने दिया आश्वासन जिलाधिकारी द्वारा निवेदन स्वीकार करते हुए संबंधित विभाग को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश देने का आश्वासन दिया वहीं विधायक विनोद अग्रवाल ने भी प्रशासन से समन्वय स्थापित कर इस विषय में जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर वृक्षधरा फाउंडेशन के पदाधिकारी व स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विमुस पुरस्कारों की नहीं हुई घोषणा

आमगांव–राज्य सरकार ने गांवों को शांति से समृद्धि की ओर ले जाने के लिए महात्मा गांधी विवाद मुक्त ग्राम अभियान को लागू किया. इस अभियान के कारण राज्य में 25 लाख से अधिक के विवादों का मध्यस्थता के माध्यम से निपटारा किया गया. इस अभियान के कारण गांवों में सरकार के काम में मदद करने के लिए एक जन आंदोलन खड़ा हो गया. लेकिन इस अभियान के पुरस्कारों की घोषणा अब तक नहीं हुई है.

जल संरक्षण व पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई विद्यार्थियों ने बनाया वनराई बांध

उन्होंने कहा कि केवल बलवान होना पर्याप्त नहीं है उस बल के साथ विवेक का होना आवश्यक है। विवेक के बिना बुद्धिमत्ता खतरनाक होती है जबकि विवेकयुक्त शक्ति समाज में शांति और आनंद उत्पन्न करती है। हनुमानजी का जीवनचरित्र शिक्षा, विज्ञान और आधुनिक जीवन के साथ संगत है और वाल्मीकि रामायण, इतिहास तथा विज्ञान के दृष्टिकोण से हनुमानजी के व्यक्तित्व पर कथा के दौरान विस्तार से विवेचन किया जाएगा। ऐसी जानकारी भी उन्होंने इस अवसर पर दी। पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए सदुर ऋतेश्वर महाराज ने कहा कि युवा ही देश की असली शक्ति हैं और उन्हें नशा, हिंसा और निराशा से दूर रखने के लिए उचित शिक्षा, मजबूत संस्कार और सख्त कानून आवश्यक हैं। साथ ही महर्षि नारद सनातन में पहले पत्रकार थे। उनका आदर्श हमारे सामने है और उनकी शक्ति जैसी शक्ति आज के पत्रकारों में भी है। इसलिए पत्रकारों के पैर एक जगह टिक नहीं सकते, वे दौड़ते रहते हैं।

जल संरक्षण व पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई विद्यार्थियों ने बनाया वनराई बांध

आमगांव – विद्यार्थियों ने तन माध्यमिक विद्यालय के हरित सेना ग्रुप द्वारा गणेश मंदिर परिसर के पास नाले पर वनराई



बांध बनाया गया. बरसात का मौसम खत्म होने के पश्चात कुछ दिन तक नहरों में पानी बहता है, लेकिन कुछ दिनों पश्चात प्रवाह कम हो जाता है. वनराई बांध एक गैर परंपरागत वर्षा के पानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सीमेंट की बोरियों में रेत भरकर बनाया जाता है. इन बोरियों में रेत भरकर पत्थर, मिट्टी के द्वारा पानी को रोकने का प्रयास किया जाता है. पानी के प्रवाह को इस तरह से पारंपरिक तरीके से रोक कर पानी का भंडारण करते हैं. भविष्य में गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए यह पानी उपयोगी सिद्ध होता है. विद्यालय के हरित सेना प्रभारी पी.एस. शिंगाड़े के मार्गदर्शन में हरित सेना के विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान कर यह वनराई बांध बनाया गया. इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा रोप वाटिका का निरीक्षण भी किया गया. विभिन्न प्रकार के प्रजातियों के पौधों की जानकारी दी गई. विद्यार्थियों के श्रमदान द्वारा मंदिर परिसर की सफाई भी की गई. इस अवसर पर विद्यालय के मुख्याध्यापक पी.बी. भक्तवर्ती, शिक्षक आर.एस. वैष्णव, शिक्षिका बी.बी. तोंडरे तथा पूजा पाथोड़े उपस्थित थीं.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिटींग प्रेस, गुरुनानक बाई, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला बाई, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६८८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।